Department of Political Science
D.B. College Jaynagar
B.A PART-III. Pub. Ad.

By- A.K. Yadav
(Asstt. Prof. Gptt.)
Date - 22/09/20

Lecture No. 21

मिन्नो ब्रुक सम्मेलन 1968
(Minnow Brook Conference 1968)

लोक प्रशासन के शीघ्र विकास हेतु 1967 में लोक प्रशासन के सिद्धान्त एवं व्यवहार सम्बन्धी सम्मेलन को आयोजित किया गया जिसका विषय था - लोक प्रशासन का सिद्धान्त एवं व्यवहार उसका क्षेत्र, उद्देश्य एवं अध्ययन पद्धति। चूँकि यह सम्मेलन फिलाडेल्फिया में आयोजित किया गया था इसलिए इसे फिलाडेल्फिया सम्मेलन भी कहा जाता है। फिलाडेल्फिया सम्मेलन के बाद में अथवा बहुत हद तक उसके प्रभाव में मिन्नो ब्रुक सम्मेलन का आयोजन 1968 में हुआ। दूसरी ओर वाइट वाल्डो ने भी इस सन्दर्भ में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन किया। वस्तुतः मिन्नो ब्रुक सम्मेलन ने भी नवीन लोक प्रशासन को जन्म दिया। क्योंकि उसी सम्मेलन में लोक प्रशासन की संकटपूर्ण स्थिति पर प्रकाश डाला गया। तथा उसे सामाजिक मूल्यों के प्रति सम्बद्ध करने की बात कही गई थी। उसी सम्मेलन में नवीन लोक प्रशासन के प्रमुख तत्व के अन्तर्गत निम्नलिखित मान्यताओं को शामिल किया गया है - प्रासंगिकता (Relevance), नैतिकता (Morals), नीतिशास्त्र (Ethics), मौलिकता (Innovation), सामाजिक परिवर्तन व सामाजिक न्याय (Social Change and Social Justice) जनहित से सम्बद्धता (Client Oriented) आदि। यह उल्लेखनीय है कि मैरीनी मैसन ने इस सम्मेलन के निर्णयों को अपने ढंग से स्पष्ट किया है -

मिन्नो ब्रुक सम्मेलन 1968 में भाग लेने वालों में सबसे अधिक युवा राजनीतिक वैज्ञानिक थे जबकि सन 1967 में आयोजित फिलाडेल्फिया सम्मेलन में युवा वैज्ञानिकों की बहुत कमी थी। मिन्नो ब्रुक सम्मेलन का आयोजन उस समय हुआ जब अमेरिकी समाज में सामाजिक उथल-पुथल व्याप्त थी। इस सम्मेलन में मूल्य सापेक्षता पर इसलिए सहमति कायम हो पाई क्योंकि इस सम्मेलन व्यवहारवादी विचारकों की भागीदारी को प्रतिबन्धित किया गया था।

PTO

Scanned with CamScanner

द्वितीय मिन्नो ब्रुक सम्मेलन 1988
(Second Minnow Brook Conference 1988)

प्रथम मिन्नो ब्रुक सम्मेलन 1968 में आयोजित हुआ था। उसके 20 वर्ष बाद द्वितीय मिन्नो ब्रुक सम्मेलन 1988 में आयोजित हुआ। जिसमें कानूनी और संवैधानिक परिप्रेक्ष्य में नेतृत्व प्रौद्योगिकी नीति तथा आर्थिक परिवेश पर जोर दिया गया था। इस सम्मेलन में अन्तर्विषयक उपागम की मान्यताओं को स्वीकार किया गया था लोक प्रशासन में सामाजिक तथा व्यावहारिक विज्ञानों के योगदान को प्रोत्साहित करने पर भी बल दिया गया था। यहाँ यह उल्लेखनीय है कि विषय वस्तु, सहभागिता के स्वरूप तथा चिन्तन के पक्ष के सन्दर्भ में प्रथम एवं द्वितीय मिन्नो ब्रुक सम्मेलन में अन्तर किया जा सकता है। हालांकि पूर्व के सम्मेलनों की भाँति इस सम्मेलन में भी सामाजिक परिवर्तन एवं समानता, मानवीय व्यवहार एवं संबंध, दायित्व एवं जवाबदेयता, लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं मूल्य तथा प्रशासनिक नेतृत्व जैसे विषय परिचर्चा में महत्वपूर्ण व केन्द्रीय रहे हैं।

द्वितीय मिन्नो ब्रुक सम्मेलन का आयोजन ऐसे समय में हो रहा था जब वैश्विक आर्थिक व्यवस्था काफी परिवर्तित एवं उदारीकृत हो रही थी। यही कारण था कि इस सम्मेलन में कल्याणकारी राज्य के सिमटते स्वरूप एवं उसके विकल्पों पर उनके विचार उभरकर सामने आए। फ्रेड रिग्स के शब्दों में "द्वितीय मिन्नो ब्रुक सम्मेलन लोक प्रशासन के परिवर्तित संदर्भों की तुलना हेतु आयोजित हुआ था।"

End_

Scanned with CamScanner